10 अरब डॉलर पहुंचा स्मार्टफोन निर्यात

आईफोन निर्यात ने बनाया नया रिकॉर्ड, भारत को बड़ी बढ़त

नई दिल्ली, 29 जुलाई. भारत ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में स्मार्टफोन निर्यात के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है. ताजा आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही के दौरान देश का स्मार्टफोन निर्यात लगभग 10 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें सबसे बड़ा योगदान एप्पल आईफोन की शिपमेंट का रहा.

अप्रैल-जून अवधि के दौरान मूल्य के आधार पर स्मार्टफोन निर्यात 23.4 प्रतिशत बढ़कर 9.84 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 7.97 अरब डॉलर था. इस दौरान भारत से निर्यात होने वाले स्मार्टफोन के लिए अमेरिका सबसे बड़ा बाजार बना रहा, जहां भारत में निर्मित डिवाइसों की मजबूत मांग देखने को मिली. स्मार्टफोन निर्यात के शानदार प्रदर्शन का असर देश के कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात पर भी पड़ा. अप्रैल-जून अवधि में कुल 15.2 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स सामान के निर्यात में अकेले स्मार्टफोन की हिस्सेदारी 64.8 प्रतिशत रही. भारत की निर्यात बास्केट में स्मार्टफोन लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है. एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में 'मेड इन इंडिया' स्मार्टफोन की शिपमेंट में 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि निर्यात में 28 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया. देश में निर्मित कुल स्मार्टफोन में से लगभग एक-तिहाई स्मार्टफोन निर्यात किए गए.

> इस साल की शुरुआत में भारत से आईफोन का निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 2 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जिससे एप्पल सभी उत्पाद श्रेणियों में देश का सबसे बड़ा एकल ब्रांडेड निर्यातक बन गया. पूरे वित्त वर्ष के दौरान भारत से कुल स्मार्टफोन निर्यात लगभग 2.6 लाख करोड़ रुपए रहा, जिसमें आईफोन की हिस्सेदारी 75 प्रतिशत से अधिक (करीब 22 अरब डॉलर) रही.

इस वृद्धि में एप्पल के मैन्युफैक्चरिंग साझेदार सबसे बड़े योगदानकर्ता रहे. होन हाई टेक्नोलॉजी ग्रुप (फॉक्सकॉन) का निर्यात 2025 में आईफोन की मजबूत शिपमेंट के चलते सालाना आधार पर 48 प्रतिशत बढ़ा.

डॉलर की तुलना में रुपया 17 पैसे मजबूत

मुंबई, 29 जुलाई. कच्चे तेल में रही नरमी से मंगलवार को रुपया 17 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 95.82 रुपये का बोला गया. भारतीय मुद्रा लगातार तीसरे दिन मजबूत हुई है. पिछले कारोबारी दिवस पर यह 54 पैसे चढ़कर 95.99 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी. तीन दिन में रुपया 91 पैसे मजबूत हो चुका है. रुपया आज 24 पैसे की बढ़त में 95.75 रुपये प्रति डॉलर पर खुला.

यह ऊपर 95.63 रुपये और नीचे 95.82 रुपये प्रति डॉलर तक गया. अंत में 95.82 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ. अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में आज नरमी रही. लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा दो प्रतिशत फिसलकर 86.5 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया. इससे रुपये को समर्थन मिला.

4.7 करोड़ लोगों ने दाखिल किया आयकर रिटर्न

रिटर्न भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई है

आयकर विभाग आईटीआर दाखिल करने के लिए कर रहा प्रोत्साहित

नई दिल्ली, 29 जुलाई. आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले करदाताओं के लिए जरूरी खबर है. रिटर्न भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई है.

वहीं विभाग के मुताबिक आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले करदाताओं की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है और बुधवार सुबह 11 बजे तक असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए करीब 4.70 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल हो चुके हैं. यह जानकारी आयकर विभाग की वेबसाइट पर दी गई. आयकर विभाग के मुताबिक, असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए दाखिल

हुए आईटीआर में से 4.40 करोड़ वेरीफाई हो चुके हैं, जबकि करीब 2.34 करोड़ प्रोसेस हो चुके हैं. वहीं, आयकर विभाग भी करदाताओं को जल्द से जल्द आईटीआर दाखिल करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है.

आयकर विभाग ने सोशल मीडिया पर की एक पोस्ट में कहा कि आईटीआर भरने को कल पर न टालें और आखिरी तारीख का इंतजार न करें. जल्द से जल्द असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-2 फाइल करें.

> आईटीआर फाइल करने के लिए अंतिम तारीख 31 जुलाई उन लोगों के लिए है, जिन्हें टैक्स ऑडिट की आवश्यकता नहीं होती. इसमें वेतनभोगी कर्मचारी, पेंशनभोगी, छात्र और अन्य शामिल होते हैं. आईटीआर-1 (सहज) उन व्यक्तिगत करदाताओं के लिए है जिनकी कुल आय वेतन या पेंशन, एक मकान से आय और अन्य स्रोतों (जैसे ब्याज) से होती है. इसे वही व्यक्ति भर सकता है जिसकी कुल वार्षिक आय निर्धारित सीमा 50 लाख के भीतर हो और जिसे व्यवसाय या पेशे से आय, पूंजीगत लाभ (कैपिटल गेन) या एक से अधिक मकानों से आय न हो. सरल आय वाले अधिकांश वेतनभोगी कर्मचारी इसी फॉर्म का उपयोग करते हैं.

बायोडील से पिरामल की सफल एग्जिट

110 करोड़ के निवेश पर पिरामल को शानदार मुनाफा

पिरामल अल्टरनेटिव्स ने बायोडील से कमाया बड़ा रिटर्न

नई दिल्ली, 29 जुलाई. पिरामल अल्टरनेटिव्स ने मंगलवार को घोषणा की कि उसके पिरामल स्ट्रक्चर्ड क्रेडिट ऑपर्च्युनिटीज फंड ने बायोडील फार्मास्यूटिकल्स में किये गये 110 करोड़ रुपये के निवेश से सफल एग्जिट हासिल किया है.

निवेश की पूरी राशि को भुनाने के बाद फंड को 20 प्रतिशत से अधिक का इंटरनल रेट ऑफ रिटर्न (आईआरआर) मिला. दोनों कंपनियों के बीच मूल्य सृजन पर आधारित साझेदारी के सफल समापन के बाद यह एग्जिट तय किया गया. इस दौरान बायोडील ने परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज करते हुए अपनी विनिर्माण क्षमता, कॉरपोरेट गवर्नेंस और परिचालन दक्षता को मजबूत किया तथा अगले विकास चरण के लिए मजबूत आधार तैयार किया. पिरामल अल्टरनेटिव्स ने वर्ष 2024 में बायोडील में 110 करोड़ रुपये का निवेश किया था. इस निवेश का उद्देश्य मजबूत कारोबारी आधार, तेज विकास क्षमता और स्केलेबल बिजनेस मॉडल वाली हेल्थकेयर एवं फार्मास्यूटिकल कंपनियों को विकास पूंजी उपलब्ध कराना था.

बीएचईएल को मिला सबसे बड़ा गैस टर्बाइन ऑर्डर

बीएचईएल ने वैश्विक बाजार में फिर दर्ज की बड़ी सफलता

नई दिल्ली, 29 जुलाई. भारत सरकार के उद्यम, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने नाइजीरिया के डांगोटे पेट्रोलियम रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स फ्री जोन एंटरप्राइज से आठ(8) गैस टर्बाइन जेनरेटर पैकेजों की आपूर्ति और उनके निर्माण एवं चालू करने के पर्यवेक्षण का एक महत्वपूर्ण ऑर्डर हासिल कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षमता को फिर से साबित किया है.

कड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के बीच हासिल किया गया यह ऑर्डर, डांगोटे समूह के हिस्से डांगोटे पेट्रोलियम रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स फ्री जोन एंटरप्राइज, नाइजीरिया द्वारा दिया गया है. यह

समूह अफ्रीका के सबसे बड़े और सबसे विविध व्यापारिक समूहों में से एक है, जिसका कारोबार तेल शोधन, पेट्रोकेमिकल्स, उर्वरक, सीमेंट, चीनी, पैकेजिंग और अन्य क्षेत्रों में फैला हुआ है. कार्य के दायरे में आठ गैस टर्बाइन जेनरेटर पैकेजों का निर्माण और आपूर्ति के साथ-साथ साइट पर निर्माण और कमीशनिंग गतिविधियों का पर्यवेक्षण शामिल है. इन उपकरणों का निर्माण बीएचईएल की हैदराबाद और बेंगलुरु स्थित इकाइयों में किया जाएगा. मात्रा और मूल्य दोनों के लिहाज से गैस टर्बाइन जेनरेटर पैकेजों के लिए आपूर्ति और पर्यवेक्षण के आधार पर कंपनी का अब तक का सबसे बड़ा एकल (सिंगल) ऑर्डर होने के कारण, यह ऑर्डर बीएचईएल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है. यह ऑर्डर दुनिया भर में बीएचईएल की पहुंच को और बढ़ाएगा तथा एक वैश्विक इंजीनियरिंग उद्यम के रूप में बीएचईएल की क्षमताओं को प्रदर्शित करेगा.

> कंपनी ने इससे पहले नाइजीरिया की क्रॉस रिवर स्टेट सरकार को 26 मेगावाट गैस टर्बाइन जेनरेटर पैकेज की आपूर्ति और उसके निर्माण एवं कमीशनिंग के पर्यवेक्षण का ऑर्डर भी निष्पादित किया है. कंपनी 4 दशकों से अधिक समय से भारत और विदेशों में विभिन्न ग्राहकों को गैस टर्बाइनों का निर्माण और आपूर्ति कर रही है तथा गैस टर्बाइन और जेनरेटर के दुनिया के विश्वसनीय निर्माताओं में से एक है.

चोलामंडलम का मुनाफा 46% उछला, पहली तिमाही शानदार

रिकॉर्ड मुनाफे से चमका चोलामंडलम का वित्तीय प्रदर्शन

पहली तिमाही में कंपनी का कुल ऋण वितरण 29,612 करोड़

चेन्नई , 29 जुलाई. निवेश और ऋण कारोबार क्षेत्र की प्रमुख कंपनी चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 में 30 जून 2026 को समाप्त तिमाही के दौरान कर पश्चात लाभ 1,654 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया जो पिछले वर्ष की समान अवधि के शुद्ध लाभ की तुलना में 46 प्रतिशत अधिक है.

कंपनी के मंगलवार को जारी बिना आडिट किये गये तिमाही वित्तीय परिणाम के अनुसार आलोच्य तिमाही में कंपनी की कुल प्रबंधानाधीन परिसम्पत्तियां (एयूएम) 2,54,392 करोड़ रुपये थी जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक है. 30 जून 2025 को एयूएम 2,07,663 करोड़ रुपये थीं. इस तिमाही की कंपनी की शुद्ध आय (नट इनकम) 4,930 करोड़ रही रही जो वार्षिक आधार पर 28 प्रतिशत वृद्धि दर्शाती है.

कंपनी की एक विज्ञप्ति के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में कंपनी का कुल ऋण वितरण 29,612 करोड़ किया. इसी दौरान वाहन ऋण व्यवसाय के तहत पहली तिमाही में 16,503 करोड़ रुपये के कर्ज का वितरित किया गया. 30 जून तक इस व्यवसाय के तहत प्रबंधनाधीन परिसम्पत्तियां 1,24,132 करोड़ रुपये थीं जोपिछले वर्ष इसी अवधि में 1,04,720 करोड़ रुपये की एयूएम की तुलना में 19 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि को दर्शाता है.

> कंपनी के उपभोक्ता ऋण कारोबार में 12 प्रतिशत और सिक्योर्ड बिजनेस एवं पर्सनल लोन व्यवसाय में 40 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई. गोल्ड लोन व्यवसाय के अंतर्गत पहली तिमाही में 754 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया. 30 जून 2026 तक इस व्यवसाय में एयूएम 2,143 करोड़ रुपये थी. कंपनी वर्तमान में 171 समर्पित शाखाओं के माध्यम से इस व्यवसाय का संचालन कर रही है और इसमें निरंतर विस्तार जारी है.

डीआरएम के निर्देश, साबरमती शेड बने आधुनिक मॉडल

अहमदाबाद, 29 जुलाई. पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक वेद प्रकाश ने आज 29.07.2026 को साबरमती स्थित विद्युत लोकोमोटिव शेड का विस्तृत निरीक्षण किया तथा एम/एस अल्स्टॉम द्वारा निर्मित 300 उच्च क्षमता वाले डब्लूएजी -12 मालवाहक विद्युत इंजनों के अनुरक्षण हेतु विकसित की जा रही 113.63 करोड़ की अत्याधुनिक अवसंरचना परियोजना की प्रगति की समीक्षा की.

इस महत्वाकांक्षी परियोजना

के अंतर्गत विद्युत लोको शेड का विस्तार, अत्याधुनिक मरम्मत सुविधाओं का विकास, बोगी ड्रॉप पिट, व्हील अनुरक्षण सुविधाएँ, स्वचालित लोको वाशिंग प्लांट, ओवरहेड इलेक्ट्रिक प्रणाली तथा विद्युत एवं दूरसंचार संबंधी आवश्यक अवसंरचना का निर्माण किया जाएगा. परियोजना के पूर्ण होने से डब्लूएजी -12 इंजनों के अनुरक्षण की क्षमता एवं गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे मालगाड़ियों के संचालन की दक्षता और विश्वसनीयता को और अधिक मजबूती मिलेगी.

निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने प्रस्तावित अवसंरचना, रेल लाइन लेआउट तथा अनुरक्षण योजना की विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों के साथ तकनीकी चर्चा की.

उन्होंने निर्देश दिए कि साबरमती विद्युत लोको शेड का विकास नागपुर, दाहोद, रोज़ा एवं सहारनपुर के आधुनिक विद्युत लोको शेडों की सर्वोत्तम अनुरक्षण प्रणालियों एवं सुविधाओं के अनुरूप किया जाए, ताकि अनुरक्षण कार्यों में गुणवत्ता, सुरक्षा, विश्वसनीयता तथा कार्यकुशलता के उच्चतम मानक सुनिश्चित किए जा सकें.

औद्योगिक विकास दर जून में 7.3 प्रतिशत पहुंची

नई दिल्ली, 29 जुलाई. जून 2026 में देश की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर सालाना आधार पर 7.3 प्रतिशत रही. औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) जून 2025 के 114.7 से बढ़कर जून 2026 में 123.1 पर पहुंच गया.

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस वृद्धि में इलेक्ट्रिसिटी एवं गैस आपूर्ति सेक्टर सबसे आगे रहा, जहां 10.6 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई. मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में 7.8 प्रतिशत और जल आपूर्ति, सीवरेज एवं अपशिष्ट प्रबंधन में 6.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई. खनन एवं उत्खनन क्षेत्र की वृद्धि दर 1 प्रतिशत रही.

मैन्युफैक्चरिंग के 23 उद्योग समूहों में से 19 ने सकारात्मक वृद्धि दर्ज की. सबसे अधिक योगदान देने वाले तीन क्षेत्र रहे-

- इलेक्ट्रिकल उपकरण — 34 प्रतिशत वृद्धि
- मोटर वाहन, ट्रेलर और सेमी-ट्रेलर — 17.5 प्रतिशत वृद्धि
- खाद्य उत्पाद — 10.8प्रतिशत वृद्धि

समाचार विशेष

विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी की नई बिसात

देहरादून. उत्तराखंड में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने अपने सबसे अहम सामाजिक और राजनीतिक मिशन की शुरुआत करने का फैसला किया है. जिसके तहत बीजेपी ने उत्तराखंड में दलित वोट बैंक तक पहुंच बढ़ाने के लिए संत रविदास की 650वीं जयंती को केंद्र में रखकर समरसता संकल्प अभियान शुरू करने की रणनीति बनाई है.

पार्टी का लक्ष्य प्रदेश के करीब 17 फीसदी दलित वोट बैंक में अपनी पकड़ को और मजबूत करना है. इसके लिए अगले साल फरवरी में संत रविदास की 650वीं जयंती को केंद्र में रखते हुए पूरे देश के साथ उत्तराखंड में भी समरसता संकल्प अभियान चलाया जाएगा.

बीजेपी इस अभियान को सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक जागरण का कार्यक्रम बता रही है. जबकि, विपक्ष इसे दलित वोटों को साधने की चुनावी रणनीति करार दे रहा है. राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो यह अभियान केवल धार्मिक या सामाजिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि 2027 के चुनाव से पहले सामाजिक समीकरणों को अपने पक्ष में करने की बड़ी राजनीतिक कवायद भी है.

107 रविदास मंदिर बनेंगे अभियान का केंद- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में जालंधर से संत रविदास एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई थी. जिसके बाद अब बीजेपी राष्ट्रीय स्तर पर संत रविदास की 650वीं जयंती तक समरसता संकल्प अभियान चलाने जा रही है. अभियान की शुरुआत 29 जुलाई को गुरु पर्व से हुई और 20 फरवरी 2027 तक देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. खास बात ये है कि इसमें चुनावी राज्यों को विशेष फोकस में रखा गया है, जिनमें उत्तराखंड भी शामिल है.

निर्णायक भूमिका निभा सकता है दलित समाज

बीजेपी जहां समरसता के जरिए सामाजिक विस्तार की कोशिश में जुटी है, वहीं कांग्रेस, बसपा और भीम आर्मी अपने-अपने तरीके से उसी सामाजिक आधार को अपने पक्ष में बनाए रखने की चुनौती का सामना कर रही हैं. ऐसे में उत्तराखंड की चुनावी राजनीति में दलित समाज एक बार फिर निर्णायक भूमिका निभाता नजर आ सकता है. ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही होगा कि क्या संत रविदास के नाम पर चलने वाला राष्ट्रीय स्तर का समरसता अभियान उत्तराखंड के स्थानीय सामाजिक प्रतीकों पर प्रभाव डाल पाएगा या फिर प्रदेश की राजनीति स्थानीय सामाजिक पहचान के इर्द-गिर्द ही घूमती रहेगी.

2029 के लिए बीजेपी का प्लान हरियाणा

कांग्रेस के निलंबित विधायकों के गढ़ में सेंधमारी की तैयारी

चंडीगढ़. हरियाणा में राज्यसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के पांच विधायकों की क्रास वोटिंग से शुरू हुई सियासी हलचल अब भाजपा की दीर्घकालिक चुनावी रणनीति का हिस्सा बनती दिखाई दे रही है.

पार्टी ने तत्काल दलबदल की राजनीति की बजाय कांग्रेस के निलंबित विधायकों और उनके राजनीतिक प्रभाव वाले क्षेत्रों पर फोकस बढ़ा दिया है. मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा पुन्हाना से कांग्रेस विधायक मोहम्मद इलियास के बेटे जावेद खान को भाजपा की सदस्यता दिलाना इसी रणनीति का पहला बड़ा हिस्सा है. भाजपा की कोशिश फिलहाल कांग्रेस के इन विधायकों को औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल कराने की नहीं, बल्कि उनके सामाजिक और राजनीतिक नेटवर्क को अपने पक्ष में लाने की है.

इसकी सबसे बड़ी वजह दलबदल कानून है. यदि विधायक सीधे भाजपा में आते हैं तो उनकी विधानसभा सदस्यता पर कानूनी विवाद खड़ा हो सकता है. इसलिए पार्टी परिजनों, समर्थकों और स्थानीय नेतृत्व को अपने साथ जोड़कर राजनीतिक संदेश भी दे रही है और भविष्य की जमीन भी तैयार कर रही है. राज्यसभा चुनाव में क्रास वोटिंग के बाद कांग्रेस ने पुन्हाना के मोहम्मद इलियास, हथीन के मोहम्मद इसराइल, सढ़ोरा की रेणुबाला, नारायणगढ़ की शैली चौधरी और रतिया के जरनैल सिंह को पार्टी से निलंबित कर दिया था.

> **साल 2024 के मुकाबले 2029 का गणित**
>
> इसके पीछे 2024 विधानसभा चुनाव का गणित भी अहम है. भाजपा को 46 सीटों पर जीत मिली थी, जबकि 44 सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था. पार्टी का मानना है कि यदि हारे हुए क्षेत्रों में संगठन मजबूत किया जाए और स्थानीय प्रभावशाली चेहरों को अपने साथ जोड़ा जाए तो 2029 में चुनावी बढ़त हासिल की जा सकती है. कांग्रेस के निलंबित विधायकों वाले अधिकांश क्षेत्र भाजपा की इसी रणनीतिक सूची में शामिल हैं.

संसद परिसर में धोती और जूते की चर्चा

नई दिल्ली. संसद के मानसून सत्र का पहला हफ्ता हंगामे में जाया हो गया. कोई चर्चा नहीं हुई. पहले हफ्ते के आखिरी कार्य दिवस यानी शुक्रवार को राज्यसभा में वंदे मातरम के अपमान को अपराध बनाने वाला बिल पेश किया गया लगातार पांच दिन दोनों सदनों के अंदर और संसद परिसर में नीट पेपर लीक को लेकर विपक्ष का प्रदर्शन हुए. विपक्षी नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन करने पहुंचे और इसका विरोध करने के लिए भाजपा व एनडीए के सांसदों ने संसद परिसर में प्रदर्शन किया.

सो, पेपर लीक से लेकर विपक्ष का हंगामा और नारी शक्ति वंदन से लेकर परिसीमन तक के विधेयकों की चर्चा है परंतु संसद परिसर में अमित शाह की धोती और राहुल गांधी के जूते पर पत्रकार सवाल पूछे रहे थे. असल में प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी का जूता गायब हो गया. अगले दिन संसद में पत्रकारों के इसी सवाल का जवाब उन्होंने दिया.

विशेष — सहानुभूति दिखाने से बांकीपुर में चुनाव में लाभ की उम्मीद

तेजप्रताप के नाम माहौल बना रहे तेजस्वी

पटना. बांकीपुर उपचुनाव की तारीख (30 जुलाई) जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वोट के लिए घमासान तेज हो गया है. वोट के जुगाड़ में नेता रंग बदलने से भी पीछे नहीं हट रहे. जिस तेज प्रताप को लालू परिवार और पार्टी से निकाल दिया गया, आज उसी तेजप्रताप के नाम पर तेजस्वी अपनी राजनीति चमका रहे हैं.

उन्हें लगता है जेल में बंद तेजप्रताप के प्रति सहानुभूति दिखाने से उन्हें बांकीपुर में चुनावी में लाभ मिल सकता है. दूसरी तरफ प्रशांत किशोर, मां दुर्गा की महिमा का बखान कर अपने लिए वोट मांग रहे हैं. ये वही प्रशांत किशोर हैं जो बार-बार कहते रहे हैं कि बिहार तभी बदलेगा जब लोग जाति-धर्म से ऊपर उठ कर वोट करेंगे.

नीट आंदोलन के दौरान तेज प्रताप यादव को गिरफ्तार किया गया था. अब वे बेउर जेल में बंद हैं. तेजप्रताप ने बांकीपुर उपचुनाव में प्रशांत किशोर को समर्थन दिया है. इसके बावजूद तेजस्वी यादव अपने चुनावी लाभ के लिए तेजप्रताप के नाम का सहारा ले रहे हैं. उन्हें बड़े भाई के रूप में संबोधित कर रहे हैं. जनता से सहानुभूति पाने के लिए तेजस्वी ने हद भी पार कर दी. तेज प्रताप की गिरफ्तारी की विरोध करने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग कर दिया. अब उनके नाम पर आंदोलन करने की बात कर रहे हैं. तेजस्वी के इस विवादित बयान की खूब चर्चा हो रही है. तेजस्वी ने शायद चर्चा में बने रहने के लिए ही यह बयान दिया है.

तेजस्वी, उपचुनाव में लंबे समय से गैरहाजिर थे. अब आखिरी वक्त में उन्होंने एंट्री ली है. वे पीछे छूट गये इसलिए उन्हें एक 'जंप' की जरूरत थी. सो उन्होंने तेज प्रताप के नाम को भुना लिया. ये वही तेजस्वी हैं जिनकी वजह से तेज प्रताप यादव अब पूर्व विधायक का टैग लेकर घूमने पर मजबूर हैं. 2025 के चुनाव में तेजस्वी ने तेजप्रताप को हराने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी थी. तेजप्रताप हारे भी. 2026 में स्थिर बनने की बारी आयी तब भी तेजस्वी के मन में अपने 'बड़े भाई' के लिए प्रेम नहीं उमड़ा.

> **एक उपचुनाव, 5 असर**
>
> बांकीपुर उप चुनाव बिहार की राजनीति के लिए निर्णायक साबित होने वाला है. भले एक सीट पर चुनाव है लेकिन इसका इसका असर बहुत व्यापक होगा. कम से कम 5 बिंदुओं पर तो असर पड़ता दिख रहा है. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के भाग्य का लेखा-जोखा इसी नतीजे से लिखा जाएगा. इस चुनाव में बिहार एनडीए का लिटमस टेस्ट होने वाला है. टेस्ट के परिणाम से जदयू पर भी प्रभावित होगा. प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी जनसुराज की किस्मत दरवाजा, इसी नतीजे से खुलेगा या बंद होगा.